International Journal of Information Movement Vol.6 Issue VII (November 2021)
Website: www.ijim.in ISSN: 2456-0553 (online) Pages 1-3

स्वतंत्रता के बाद भारत में महिलाओं की भूमिका

कप्तान
एसिस्टेंट प्रोफेसर
लक्ष्मी बाई कॉलेज
दिल्ली विश्व विद्यालय
अशोक विहार–।।।
दिल्ली–110052
Email: jnukaptan@gmail.com

सार महिलाओं को प्राचीन काल में लेकर अब तक शोषण का शिकार होना पड़ रहा है। इस कारण से भारत सरकार इनके कल्याण के लिए कानून बना रही है। परन्तु अब भी इनके कल्याण करने के अनेक क्षेत्र हैं जिसमें इनका विकास होना आवश्यक है। इनके साथ पुरुष की मानसिकता में बदलाव भी आवश्यक है। तभी महिलाओं का कल्याण सम्भव है।

1.0 भूमिका

महिला भारतीय समाज में लगभग आधी आबादी की रहने वाली है। परन्तु फिर भी उसको अनेक प्रकार की समस्याओं को झेलना पड़ता हैं चाहे राजनीतिक क्षेत्र में हो, सामाजिक क्षेत्र में हो, या आर्थिक क्षेत्र में हो। आज भी महिलाओं को प्रथा के नाम पर पीड़ा दी जाती हैं नारी का शोषण चारो ओर हमेशा ही रहता रहा है। आज भी लड़कियों को कोख में मार दिया जाता है। दहेज के लिए मार दिया जाता है। इन सब कारणों के कारण भारत सरकार महिलाओं का विकास कर रही है। उनके विकास के लिए काफी शक्तिशाली बना रही है।

2.0 संवैधानिक प्रावधान व महिला अधिकार

भारत को आजादी मिलने के वाद सब महिलाओं व पुरुषों को एक साथ संवैधानिक अधिकार दिये गये। इनके साथ कोई भेदभाव नहीं किया उदाहरण[1] के तौर पर अनुच्छेद 14, 15, 16, 18, 19, 20, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32 इत्यादि।

3.0 कानूनी प्रावधान व महिला अधिकार:

भारत की संसद व राज्यों की विधान सभा में महिलाओं के कल्याण के लिए अनेक प्रावधान किये गये हैं। उदाहरण के तौर पर

1) The special Marriage Act 1954
2) The Hindu Marriage Act 1955
3) Dowry Prohibition Act 1960
4) Commission of Sati (Prevention) Act 1987
5) The protection of Women from Domestic violence Act 2005

4.0 समाज कल्याण की योजना व महिलाएं:–

भारत सरकार समय–समय पर महिलाओं के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं लेकर आती रही है। जैसे[3] बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ Women Helpline Scheme, Working women hostel, महिला शक्ति केन्द्र MSK, आदि से सरकार महिलाओं को कल्याण कर रही है।

4.1 आरक्षण व महिला–

संसद में महिलाओं को आरक्षण मिलना चाहिए इसके लिए हमारी सरकार काफी कार्य कर रही है। सरकार ने इसके लिए स्थानीय निकायों में आरक्षण का प्रावधान किया है। संसद में भी इनको आरक्षण के लिए 1996[4] में एच.डी. देव गौड़ा सरकार ने प्रयास किया, बाद में अटल बिहारी बाजपेयी की सरकार ने प्रयास किया परन्तु सफल नहीं हो सका।

यूपीए (प्रथम) मई 2008[5] ने इस बिल को सेसद में रखा, परन्तु संसद से ये बिल पास नहीं हो सका अभी भी महिलओं को 1/3 आरक्षण नहीं मिल पाया परन्तु प्रयास जारी है।

4.2 पंचायती राज व महिला आरक्षण

भारत एक लोकतांत्रिक देश है जिसकी अधिकांश जनसंख्या गांव में निवास करती है। गांव के लोगों को योग्य बनाने के लिए सरकार समय–समय पर कानून बनाती रहती है। सरकार व प्रशासन गांव की समस्या गांव में ही हल करनी चाहती है। इसके लिए गांव में पंचायत का प्रावधान किया हैं इसको कानूनी[6] अधिकार दिया गया हैं इसके लिए 73वें 74वें संविधान संशोधन को दिसम्बर 1992 में संसद से पास किया गया। 1993 में इसको लागू कर दिया गया। इसमें सभी स्तरों पर अध्यक्षों को 1/3[7] पद महिलाओं के लिए आरक्षित किये गये इस प्रकार पंचायत स्तर पर भी इनको शक्तिशाली बनाया गया है।

4.3 न्यायपालिका व महिलाएं

भारतीय न्यायपालिका आरम्भ से भारतीय नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए काफी प्रयास कर रहा है। समय–समय पर इसके अनेक निर्णय दिये है। जिससे महिलाओं का कल्याण हो सके जैसे निर्भय निर्णय। भारतीय न्यायपालिका महिलाएं उच्च पदों पर भी आसीन हुई है। जैसे फतिमा बीबी सुजेता मनहोर रूमा पाल[9] आदि।

4.4 राष्ट्रीय महिला आयोग व महिला अधिकार

भारत में महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करने व उनका विास करने के लिए भारत सरकार ने 1992[9] में राष्ट्रीय महिला आयोग का गठन किया गया जो महिलाओं के कानूनों को लागू करवाने व महिलाओं के साथ हो रहे भेदभाव का निरीक्षण करती है। भारत में यह प्रत्येक राज्यों में राज्य महिला आयोग का गठन किया गया[10] और सात केन्द्र शासित प्रदेशों में भी गठन किया गया है। जिससे महिलाओं की परिस्थिति में सुधार लाया जा सके।

5.0 मूल्यांकन

कोई भी विकास तब तक पूरा विकास नहीं हो सकता जब तक विकास में महिलाओं को शामिल नहीं किया जाये। आज भी महिलाओं के साथ रेप, दहेज, प्रथा, और बाल–विवाह जैसी अनेक घटना घटती है। इनके कल्याण के लिए आवश्यक है कि पुरुष की मानसिकता में बदलाव लाया जाये। तभी महिलाओं का वास्तविक विकास सम्भव है। अन्यथा ये ऐसे ही शोषण का शिकार होती रहेगी।

6.0 References

1) http://mospi.nic.in/sites/default/files/reports_and_publication/statistical_publication/social_statistics/WM16ConstitutionalLegalRights.pdf

2) http://mospi.nic.in/sites/default/files/reports_and_publication/statistical_publication/social_statistics/WM16ConstitutionalLegalRights.pdf

https://wcd.nic.in/schemes-listing/2405

3) https://www.indiatoday.in/education-today/gk-current-affairs/story/women-s-reservation-bill-all-you-need-to-know-about-the-bill-which-is-yet-to-be-passed-in-lok-sabha-1653451-2020-03-07

4) https://www.indiatoday.in/education-today/gk-current-affairs/story/women-s-reservation-bill-all-you-need-to-know-about-the-bill-which-is-yet-to-be-passed-in-lok-sabha-1653451-2020-03-07

5) https://en.wikipedia.org/wiki/Local_government_in_India

6) https://www.downtoearth.org.in/indepth/panchayats-working-women-22753

7) https://en.wikipedia.org/wiki/List_of_female_judges_of_the_Supreme_Court_of_India

8) http://ncw.nic.in/commission/about-us

9) http://ncw.nic.in/important-links/list-state-women-commissions